CBSE Class 09
Hindi B
Sample Paper 9 (2019-20)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉंच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
   महँगाई या मूल्य वृद्धि से आज समस्त विश्व त्रस्त है। भारत बढ़ती महँगाई की चपेट में बुरी तरह से जकड़ा हुआ है। जीवनोपयोगी वस्तुओं के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं, जिससे जन साधारण को अत्यन्त कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। महँगाई से देश के आर्थिक ढाँचे पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। महँगाई के निर्मम चरण अनवरत रूप से अग्रसर हैं, पता नहीं वे कब, कहाँ रुकेंगे? आज कोई भी वस्तु बाज़ार में सस्ते दामों पर उपलब्ध नहीं है। समाज का प्रत्येक वर्ग महँगाई की मार को अनाहूत अतिथि की तरह सहन कर रहा है, इसका सर्वग्राही प्रभाव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं पर अत्यधिक खर्च हो रहा है। अपने स्वार्थ के लिए लोगों में धार्मिक, सामाजिक तथा नैतिक मान्यताएँ पीछे छूट जाती हैं और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो जाता है। अर्थशास्त्र की मान्यता है कि यदि किसी वस्तु की माँग उत्पादन से अधिक हो, तो मूल्यों में स्वाभाविक रूप से वृद्धि हो जाती है।

   i. विश्व की सबसे बड़ी समस्या क्या है? (2)
   ii. महँगाई से देश की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? (2)
   iii. स्वार्थ का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)
   iv. अर्थशास्त्र की मान्यता क्या है? (2)
   v. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

vi. **माँग** का विपरीत शब्द लिखिए। (1)

Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

   i. संतुलन
   ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

   i. सन्तरा
   ii. सन्धि
   iii. हन्स
   iv. गाव

4. निम्नलिखित शब्दोंमें उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
   फैसला, जोर

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग व मूलशब्द को अलग-अलग कीजिए-

   i. अतिथि
   ii. अभिजात
   iii. आरोहण

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
      i. स्व + इच्छा
      ii. पूर्व + उक्त
   II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
      i. तथैव
      ii. सम्भाषण

7. **निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए-**

   i. गाँधी जी ने कहा था करो या मरो
   ii. मित्रों ने आते ही कहा क्या यहाँ गाना-बजाना होगा
   iii. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना परिमल प्रसिद्ध है

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है?

b. 'अतिथि देवो भव' उक्ति की व्याख्या करें। तुम कब जाओगे, अतिथि? पाठ के आधार पर लिखिए।

c. शुक्रतारे के समान पाठ में महादेव भाई के चरित्र से आप कौन-कौन से मूल्य अपनाना चाहेंगे?

d. लेखक काका कालेलकर कवियों की किस वृत्ति को तर्कहीन मानते हैं? कीचड़ का काव्य पाठ के आधार पर लिखिए।

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

OR

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. प्रेम रूपी धागा टूटने के बाद पुनः जोड़ने पर क्या होता है? **रहीम के दोहे** पाठ के आधार पर बताइए।

b. आदमी नामा कविता व्यक्ति के स्वभाव के बारे में क्या अभिव्यक्त करती है?

c. सुखिया को बाहर खेलते जाता देख उसके पिता की क्या दशा होती थी और क्यों? एक फूल की चाह कविता के आधार पर बताइए।

d. खुशबू रचते हैं हाथ कविता को लिखने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

11. एक पत्र छाँह भी माँग मत कवि हरिवंश राय बच्चन ने ऐसा क्यों कहा है?

OR

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. गिल्लू पाठ के आधार पर बताइए कि कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?

b. हामिद खाँ लेखक के मुल्क जाकर अपनी आँखों से क्या देखना चाहता था?

c. "इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें" गाँधी जी ने यह किसके लिए और किस सन्दर्भ में कहा?

Section D

13. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

    - इंटरनेट क्या है?
    - लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
    - उपयोग के सुझाव

OR

झूठ बोलने की विवशता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- कब
- क्यों
- पश्चाताप

14. अपने छोटे भाई को कुसंगति की हानियाँ बताते हुए एक पत्र लिखिए।

OR

सर्व शिक्षा अभियान के तहत आपके विद्यालय के प्रधानाचार्य ने आपको प्रौढ़ों को पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है अथैव इसकी जानकारी अपने पिताजी को पत्र के द्वारा दीजिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर अपने मन में उभरे विचारों को 20-30 शब्दों में अपनी भाषा में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से सम्बद्ध होना चाहिए। (चाय का बागान)

OR

नीचे बने चित्र को देखकर इसका वर्णन 20-30 शब्दों में कीजिए।

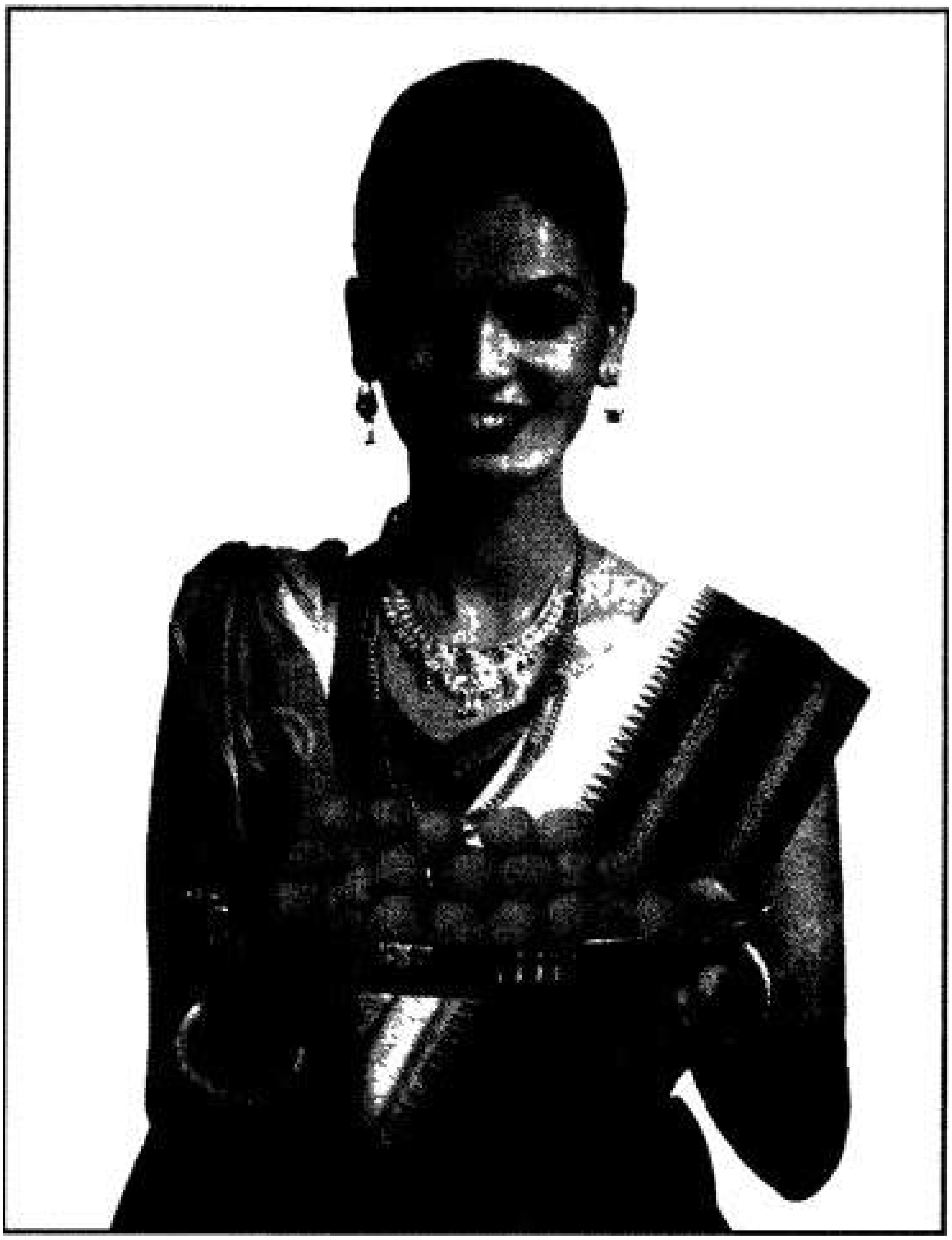

16. पुत्री द्वारा बनाए गए चित्र को लेकर माँ-पुत्री में हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

समाचार-पत्र का महत्त्व बताते हुए पिता-पुत्र के बीच हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. सैल फ़ोन विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 20-25 शब्दों में बनाइए।

CBSE Class 09

Hindi B

Sample Paper 9 (2019-20)

Solution

Section A

1. i. विश्व की सबसे बड़ी समस्या महँगाई या मूल्य वृद्धि है।
   ii. महँगाई से देश के आर्थिक ढाँचे पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है।
   iii. स्वार्थ के कारण लोगों की धार्मिक, सामाजिक तथा नैतिक मान्यताएँ पीछे छूट जाती हैं और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो जाता है।
   iv. अर्थशास्त्र की मान्यता है कि यदि वस्तु की माँग उत्पादन से अधिक हो, तो मूल्यों में स्वाभाविक रूप से वृद्धि हो जाती है।
   v. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक 'महँगाई : एक समस्या' होगा।
   vi. पूर्ति

Section B

2. i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3. i. संतरा
   ii. संधि
   iii. हँस
   iv. गाँव

4. फ़ैसला, ज़ोर।

5. i. अ + तिथि
   ii. अभि + जात
   iii. आ + रोहण
6. I. i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II. i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7. i. गाँधीजी ने कहा था-"करो या मरो।"
   ii. मित्रों ने आते ही पूछा, “क्या यहाँ गाना-बजाना होगा?"
   iii. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की रचना 'परिमल' प्रसिद्ध है।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. i. उसकी पोशाक ही समाज में उसका दर्जा तय करती है।
      ii. पोशाक ही मनुष्य के उन्नति के बन्द दरवाजे खोल देती है।
      iii. पोशाक व्यक्तियों को समाज की विभिन्न श्रेणियों में बाँटती है।

   b. लेखक परम्परा के अनुसार हर अतिथि को देवता के समान समझता था। अतिथि पूज्य होता है लेकिन समयाभाव व महँगाई के कारण लोग आज अतिथि का पहले जैसा आदर सत्कार नहीं कर पाते।

   c. महादेव भाई के चरित्र में एक नहीं बहुत से मानवीय मूल्यों का संगम था जो उन्हें दूसरों से अलग तथा जन-जन के बीच लोकप्रिय बनाए हुए था। उनके चरित्र से समय का नियोजन कर हर काम समय पर करने का गुण, अपने स्वभाव में नम्रता-विनम्रता, सहनशीलता, उदारता जैसे मानवीय मूल्यों को अपनाना चाहूँगा। इसके अलावा देश-प्रेम की भावना तथा सेवा भावना जैसे मूल्य भी अपनाना चाहूँगा।

   d. कवि अपनी बात का समर्थन करते हुए पंक और पंकज के संबंध में वासुदेव और वसुदेव, हीरा और कोयला, मोती और उसकी जननी सीप का उदाहरण देते हैं। लेखक काका कालेलकर उनकी इस मुक्तिशून्य वृत्ति को तर्कहीन मानते हैं।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

OR

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. प्रेम परस्पर लगाव और विश्वास का परिणाम होता है यदि एक बार विश्वास और लगाव की डोर टूट जाए तो पुनः उनमे पहले जैसी भावना नहीं बनती। दोनों पक्षों के मन में दरार आ जाती है और चाहकर भी दोनों एक-दूसरे पर विश्वास नहीं कर सकते। अगर किसी तरह उनके मन जुड़ भी जाए तो भी पूर्व स्थिति लाना असंभव है क्योंकि मन में कहीं न कहीं एक-दूसरे के प्रति संदेह की भावना अवश्य रहेगी। जैसे धागा टूटने के पश्चात उसे जोड़ने पर गाँठ बन

जाती है ठीक वैसे ही मानव मन में एक बार संदेह जागृत हो जाए अर्थात् प्रेम रूपी धागा टूट जाए तो उसे पुनः स्थापित नहीं किया जा सकता।

b. 'आदमी नामा' कविता किसी व्यक्ति के अच्छे स्वभाव का उल्लेख करती है, उसके कर्म और विशेषता को अभिव्यक्ति करती है तो दूसरों की जान लेने, बेइज्जती करने तथा जूतियाँ चुराने जैसे निकृष्ट कार्यों को भी अभिव्यक्त करती है। इस प्रकार यह कविता व्यक्ति के स्वभाव की विविधता का ज्ञान कराती है।

c. सुखिया को बाहर खेलते जाता देखकर सुखिया के पिता का हृदय काँप उठता था। उसके मन को एक अनहोनी-सी आशंका भयभीत कर रही थी, क्योंकि उसकी बस्ती के आसपास महामारी फैल रही थी। उसे बार-बार डर सता रहा था कि कहीं उसकी पुत्री सुखिया भी महामारी की चपेट में न आ जाए। वह इस महामारी से अपनी पुत्री को बचाए रखना चाहता था।

d. इस कविता को लिखने का कवि का मुख्य उद्देश्य है-निम्न वर्ग की सामाजिक व्यवस्था की दयनीय दशा को उभारना। इस वर्ग की विशेष देखभाल होनी चाहिए, उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। सबका ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाए, ठोस सरकारी कदम उठाने चाहिए, ताकि वह वर्ग भी स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सके।

11. 'एक पत्र छाँह' अर्थात् एक पत्ते की छाया जीवन पथ पर संघर्षपूर्वक बढ़ रहे व्यक्ति के पथ में आने वाले कुछ सुखमय पल हैं`। इनका सहारा पाकर मनुष्य कुछ देर और आराम करने का मन बना लेता है। इससे वह गतिहीन हो जाता है। यह गतिहीनता उसकी सफलता प्राप्ति के लिए बाधक सिद्ध हो जाती है। इस गतिहीन अवस्था से उठकर पसीने से लथपथ होकर संघर्ष करना, कठिनाइयों से जूझना कठिन हो जाता है। इससे व्यक्ति सफलता से दूर होता जाता है। इसलिए कवि एक पत्र छाँह भी माँगने से मना करता है।

OR

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. कौए को समादरित और अनादरित प्राणी इसलिए कहा गया है, क्योंकि यह एक विचित्र प्राणी है। कभी इसका आदर किया जाता है, तो कभी इसका निरादर किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में लोग कौए को आदर सहित बुलाते हैं। पितृपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए हमारे पूर्वजों को कौआ बनकर ही प्रकट होना पड़ता है-ऐसी मान्यता है। यह अतिथि के आने का भी संदेश देता है। इन बातों के कारण यह समादरित है लेकिन यही कौआ जब अपनी कर्कश आवाज में काँव-काँव करता है एवं गंदगी ख़ाता है, तो यह अनादरित हो जाता है।

b. जब लेखक ने हामिद खाँ को यह बताया कि मालाबार (केरल) में हिन्दू-मुसलमान मिलकर रहते हैं, एक दूसरे के तीज त्योहार में शामिल होते हैं, उनमें दंगे न के बराबर होते हैं, भारत में मुसलमानों द्वारा पहली मस्जिद का निर्माण उसके

राज्य में ही किया गया। हामिद खाँ को इन सब बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था। वह ऐसी अच्छी जगह को अपनी आँखों से देखना चाहता था।

c. गाँधी ने यह वाक्य दरबारों के लिए कहा। दरबार रास में रहते हैं, परन्तु इनकी मुख्य बस्ती कनकपुर और उससे सटे गाँव देवण में है। यह लोग रियासतदार होते थे। इनका जीवन ऐशो-आराम का था। इनका राजपाट था। फिर भी ये सब कुछ छोड़कर यहाँ आकर बस गए। गाँधी जी ने इनके त्याग के विषय में उपर्युक्त वाक्य कहा।

Section D

13. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।

लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।

उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए

OR

कभी-कभी व्यक्ति को न चाहते हुए भी झूठ बोलना पड़ता है। ऐसा ही एक वाकया मेरे दोस्त के साथ हुआ। उसकी माँ बुखार से तप रही थी तथा घर में खाना नहीं बना था। वह पास में स्थित एक दुकान पर गया और उसने वहाँ रखी एक डबल रोटी उठा ली तथा भागते हुए घर पहुँचा। जब माँ ने पूछा डबल रोटी कहाँ से लाया? तो उसने झूठ बोल दिया कि अपने दोस्त के घर से लाया है। तभी दुकानदार घर में आया और उसने उसकी माँ को सारी बात बताईं। माँ ने डबल रोटी के पैसे दुकानदार को दे दिए और पप्पू (मेरे मित्र) को ऐसी हरकत दुबारा न करने की कसम दी। पप्पू को इस बात का भारी पछतावा था कि उसने माँ के सामने झूठ बोला जिससे माँ को दुकानदार के समाने नीचा देखना पड़ा।

14. प्रिय रोहित,

सदा प्रसन्न रहो।

यहाँ सभी कुशलपूर्वक हैं। आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। कल ही तुम्हारे छात्रावास के अधीक्षक का एक पत्र पिताजी को प्राप्त हुआ, जिसे पढ़कर उन्हें बहुत चिन्ता हुई। पत्र में उन्होंने लिखा है कि आपका बेटा आजकल कुसंगति में पड़ गया है। यदि उसे नहीं रोका गया तो छात्रावास से निष्कासित कर दिया जाएगा।

भाई, ध्यान रखो कि कुसंगति से मनुष्य पतन की ओर चला जाता है और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल हो जाता

है। विद्यार्थी जीवन तो भविष्य की तैयारी हेतु होता है। मेरी सलाह है कि तुम ऐसे लड़कों की संगति का त्याग शीघ्र कर दो और अपनी पढ़ाई की ओर ध्यान दो। मुझे विश्वास है कि तुम सही मार्ग पर अग्रसर होगे तथा परिवारीजनों को निराश नहीं करोगे। अपनी कुशलता का समाचार देना।

तुम्हारा बड़ा भाई,

बसंत कुमार

B-140, श्याम नगर

गुरुग्राम, हरियाणा।

OR

875/4 A स्वरूप नगर,

दिल्ली

दिनांक : 05 मार्च, 2019

पूज्य पिताजी,

सादर चरण स्पर्श।

आपको यह जानकर अत्यधिक हर्ष होगा कि हमारे प्रधानाचार्य ने मुझे सर्व शिक्षा अभियान के कार्यक्रम से जोड़ दिया है। मुझे पटेल नगर में प्रौढ़ों को पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कार्य मैंने प्रारम्भ भी कर दिया है। वास्तव में पिताजी यह एक बड़ा सुखद अनुभव है। ज्ञान का दान बहुत बड़ा पुण्य कर्म माना जाता है और इसका सुअवसर मुझे प्राप्त हुआ है। यह आपकी कृपा का ही फल है कि मैं इसमें सफलता पा सका। पूज्य माताजी को सादर चरण स्पर्श।

आपका पुत्र,

गोविन्द

15. यह चित्र चाय बागान का है और लगता है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम, मणिपुर, नगालैण्ड जैसे किसी राज्य का है। एक माता अपनी दो पुत्रियों के साथ जा रही है। संभवतः माता पुत्रियों को स्कूल छोड़ने जा रही है और स्वयं उन्हें स्कूल छोड़कर काम पर चली जाएगी। उनका पहनावा पूर्वोत्तर राज्यों के निवासियों के पहनावे से मेल खाता है।

OR

i. इस चित्र में एक महिला थाली हाथों में लेकर खड़ी है।
ii. उसके हाथों में लड्डू से भरी थाली है।
iii. उसके चेहरे से मालूम पड़ रहा है कि वह बेहद खुश है।
iv. मिठाइयाँ त्योहारों पर बनाई जाती हैं। लोग त्योहार का आनन्द लेते हैं, और आपस में मिठाई खिलाते हैं।
v. किसी महत्वपूर्ण कार्य के होने पर यह महिला खुश होकर लड्डू की थाली लेकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त कर रही है।

16. माँ - साक्षी, इधर बैठकर चित्र बनाना सीखो। तुमने इस लड़की की आँखें ठीक नहीं बनाईं।

साक्षी - पुस्तक में तो इसी तरह बनी हुई हैं।

माँ - ध्यान से देखो तो तुम्हें पता चल जाएगा। चित्र बनाकर रंग भी ठीक से भरना।

साक्षी - मम्मी! आप चिंता न करें। मैं ड्राइंग की इस पुस्तक जैसा चित्र बनाऊँगी।
माँ - मेरी इच्छा है कि बड़ी होकर तुम बहुत अच्छी चित्रकार बनो।
साक्षी - मम्मी, हमारे पवन सर बहुत बड़े चित्रकार हैं। उनके चित्रों की प्रदर्शनियाँ मुंबई और नई दिल्ली तक में लगे चुकी हैं। वे कहते हैं कि मैं बहुत अच्छी चित्रकार बनूँगी।
माँ - शाबाश साक्षी ! मुझे तुमसे ऐसी ही आशा है।

OR

पिता - बेटा पवन, यह समाचार पत्र मैं तुम्हारे लिए मँगाता हूँ, किन्तु तुम तो इसे एक-दो मिनट देखकर रख देते हो।
पवन - और क्या करूँ पिता जी, मुझे तो उसमें यही देखना होता है कि कौन-सी पिक्चर चल रही है और हैलो दिल्ली में क्या-क्या दिखाया गया है। ये बातें पढ़ लीं और हो गया काम।
पिता - नहीं बेटा। समाचार पत्र हमारे लिए बड़े उपयोगी हैं। इनमें हमें और भी अनेक बातों की जानकारी मिलती है।
पवन - वे कौन-सी बातें हैं जिन्हें हम समाचार पत्रों में रोजाना पढ़ा करें?
पिता - हाँ, मैं बताता हूँ, सुनो! समाचार पत्रों में बड़े-बड़े विद्वानों के लेख छपते हैं। हमें उनको पढ़ना चाहिए। कभी-कभी कहानियाँ और चुटकले भी छपते हैं, उन्हें भी पढ़ा करो।

17.

फ़ोन....... फ़ोन....... फ़ोन

ड्यूल सिम जैसा फ़ोन सिर्फ़ और सिर्फ़ रू. 6,969/-	फ्रंट कैमरा

लिंकी फ़ोन